एम.ए. (हिंदी) भाग - 2

चतुर्थ सत्र

अनिवार्य पेपर

पेपर नं.	कोड नं.	शीर्षक	L	CR	P/T	D	TP(E)	Int.	P/V	T
3	403503	लोकसाहित्य एवं लोक भाषा	4	4	-	2.5	75	25	-	100

उद्देश्य :

1. हिंदी और उसके क्षेत्र के लोक साहित्य से अवगत कराना।
2. लोक भाषा की प्रयुक्ति से साहित्य की समृद्धि व सौंदर्य से परिचित कराना।

	Topics and details	No. of Lectures Assigned	Marks Assigned	Credit
ईकाई 1	<u>लोक साहित्य की अवधारणा एवं साहित्य तथा लोक साहित्य</u> • लोक एवं साहित्य का संबंध • लोक साहित्य की अवधारणा • लोक साहित्य एवं साहित्य • लोक साहित्य के प्रमुख रूपों - गीत , नाट्य, कथा आदि का परिचय एवं प्रकार	15	25	1
ईकाई 2	<u>लोक साहित्य मूल्यांकन के निकष पर</u> • लोक साहित्य की प्रमुख प्रवृत्ति, वैशिष्टय और सीमा • लोक साहित्य की सामाजिकता एवं वैज्ञानिकता • संचार युग में लोक व लोक साहित्य • लोक साहित्य की भाषिक समृद्धि (शब्द संसार, लोक प्रतीक एवं बिम्ब, कथा, कथा गाथाएँ, लोकोक्तियाँ,कहावतें एवं मुहावरें) आधार- हिंदी प्रांत अथवा महाराष्ट्र अथवा गुजरात के लोक साहित्य	15	25	1
ईकाई 3	<u>साहित्य में लोक भाषा की प्रवृत्ति : विधान एवं सर्वेक्षण</u> • प्रयुक्ति की अनिवार्यता पर विचार • प्रयुक्ति विधानों के प्रमुख रूप - लोक शब्द , गीत-संगीत, मुहावरें, कहावतें, शैली • लोक प्रयुक्ति की उपल्ब्धियाँ	15	25	1
ईकाई 4	<u>लोक भाषा की प्रयुक्ति : उपलब्धियाँ एवं मूल्यांकन</u> • लोक भाषा की प्रयुक्ति की उपलब्धियाँ -कला , सौंदर्य, रोचकता, वैविध्य ....आदि • प्रयुक्ति की सीमाएँ - अगूढ़ता , पाठकीयता का ह्रास,.....आदि • निर्धारित सहायक कृतियाँ - कुरू-कुरू स्वाहा (मनोहर	15	25	1

	श्याम जोशी) , बहती गंगा (शिवप्रसाद मिश्र रूद्र),ठुमरी (फणीश्वरनाथ रेणु) , बकरी (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना) , चरनदास चोर (हबीब तनवीर) , माटी की मूरतें (रामवृक्ष बेनीपुरी) , त्रिभंगिमा (बच्चन), नजीर अकबराबादी की शायरी .....आदि के साथ अन्य उपयुक्त रचनाएँ भी			

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ. सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य की भूमिका - कृष्ण देव उपाध्याय
3. मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य का लोकतात्त्विक अध्ययन - डॉ. सत्येन्द्र
4. द साइंस ऑफ फोकलोर - ए.एच.फेकी
5. फोकलोर एराउंड द वर्ल्ड- एम.आर.डारसन
6. लोक साहित्य के स्वरूप का सैद्धान्तिक विवेचन - डॉ. नारायण चौधरी , अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर - 208012
7. लोक साहित्य में समाज और संस्कृति - मोतीराज राठौर , सरस्वती प्रकाशन ,128/106, जी.ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर - 11
8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा - दुर्गा भागवत , (अनुवादक - डॉ. स्वर्णकांता 'स्वर्णिम'), भूमिका प्रकाशन, 2/38, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली - 21
9. लोक - साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा.)लिमिटेड, इलाहाबाद - 3
10. हिंदी उपन्यास और जनजातीय जीवन - शिवदत्ता वावलकर, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
11. लोक साहित्य के प्रतिमान - डॉ. कुन्दनलाल उप्रेती, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़
12. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा - डॉ. मनोहर शर्मा , रोशनलाल जैन एण्ड सन्स , चैनसुखदास मार्ग, जयपुर - 21
13. हिंदी लोक साहित्य - गणेशदत्त सारस्वत, विद्या विहार, 87/40 ए,आचार्य नगर, कानपुर - 6
14. लोक साहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येन्द्र , हिंदी साहित्य मन्दिर ,160,शिक्षक कॉलोनी, दुर्गा मन्दिर रोड , चौपासनी, जोधपुर (राजस्थान)
15. भारतीय लोक - साहित्य - श्याम परमार ,राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग ,नई दिल्ली - 110002
16. लोक साहित्य : अर्थ और व्याप्ति - सुरेश गौतम, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर -
17. लोक साहित्य - सुरेश गौतम, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर-208012
18. लोक साहित्य - शशीकांत सोनवने, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर-208012
19. लोक साहित्य विविध आयाम एवं नयी दृष्टि - डॉ. जयश्री गावित, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर - 208012